भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 6204
बुधवार, 01 अप्रैल, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

सागर वाणी प्रणाली

†**6204. श्री मनोज तिवारी:**
श्री जी. एम. हरीश बालयोगी:
श्री बिभु प्रसाद तराई:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सागरवाणी प्रणाली जैसी समुद्री सूचना प्रसार सेवाओं के अंतर्गत विशेषकर आन्ध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले और ओडिशा के जगतसिंहपुर और पुरी जिलों सहित वर्तमान में शामिल किए गए तटीय जिलों और मछुवारा समुदायों की संख्या का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और जिला-वार कितनी है;

(ख) इन सेवाओं के माध्यम से विशेष कर आन्ध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले और ओडिशा के जगतसिंहपुर और पुरी जिलों सहित मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्रों, समुद्री राज्यों के पूर्वानुमानों और आपदा चेतावनियों के संबंध में परामर्श प्राप्त करने वाले मछुआरों की संख्या राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और जिला-वार कितनी है;

(ग) क्या सरकार ने मोबाइल एप्लीकेशन, सामुदायिक रेडियो या उपग्रह आधारित संचार प्रणालियों के माध्यम से ऐसी सलाह का प्रचार-प्रसार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और जिला-वार ब्यौरा क्या है और विशेषरूप से आन्ध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले और ओडिशा के जगतसिंहपुर और पुरी जिलों में इसकी पहुंच और सेवा प्रदान करने के तरीके का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा देश के दूरस्थ तटीय क्षेत्रों, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और जिला-वार विशेषरूप से आन्ध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले और ओडिशा के जगतसिंहपुर और पुरी जिलों सहित मछुआरों को अंतिम छोर तक समुद्र से जुड़े सलाह प्रदान करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इंकॉइस), महासागर-आधारित प्रारंभिक चेतावनी और एडवाइजरी सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

ये सेवाएं आंध्र प्रदेश और ओडिशा सहित सभी तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में उपलब्ध हैं।

आन्ध्र प्रदेश के सभी 12 तटीय जिलों (अनकापल्ली, बापटला, डा बीआर अम्बेडकर कोनासीमा, पश्चिम गोदावरी, काकीनाडा, कृष्णा, प्रकासम, श्री पोट्टी श्रीरामुलु नेल्लोर, श्रीकाकुलम, तिरुपति, विशाखापत्तनम, और विजयनगरम) और ओडिशा के 6 तटीय जिलों (बालासोर, भद्रक, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, पुरी और गंजम नारायणसांड) में महासागर सूचना सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर कोनासीमा जिले में, 5 मछली लैंडिंग केंद्रों (एफएलसी) के माध्यम से सेवाएँ प्रदान की जाती हैं, जो आस-पास के गांवों में मछली पकड़ने वाले समुदायों को मछली पकड़ने की गतिविधियाँ शुरू करने में सहायता करते हैं। इसी प्रकार, जगतसिंहपुर जिले में 11 एफएलसी और पुरी जिले में 20 एफएलसी को शामिल किया गया है, जो स्थानीय हितधारकों के लिए महासागर संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने में मदद करते हैं।

(ख) भारत के सभी तटीय राज्यों/जिलों में लगभग 8 लाख मछुआरों और अन्य तटीय हितधारकों को मछली पकडने की संभावना वाले क्षेत्रों के बारे में (पीएफजेड) एडवाइजरी और अन्य इंकॉइस सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। विशेष रूप से, आंध्र प्रदेश में लगभग 103,915 उपयोगकर्ताओं और ओडिशा में 158,711 उपयोगकर्ताओं तक व्हाट्सएप, ईमेल, एसएमएस, टेलीग्राम, समुद्र मोबाइल एप्लिकेशन आदि सहित कई संचार चैनलों के माध्यम से इंकॉइस द्वारा सीधे संपर्क किया जा रहा है। इन प्रत्यक्ष संचार चैनलों के अलावा, इन सेवाओं का प्रचार-प्रसार गैर-सरकारी संगठनों, रिलायंस फाउंडेशन, एमएस स्वामीनाथन फाउंडेशन, राज्य मत्स्य विभाग जैसे भागीदार संगठनों के माध्यम से किया जाता है, जिससे वे व्यापक उपयोगकर्ता आधार तक अपनी पहुंच का विस्तार कर रहे हैं।

(ग) जी हां। इंकॉइस एसएमएस, मोबाइल फोन, ईमेल, वेबसाइट, मोबाइल एप्लिकेशन, सामुदायिक रेडियो, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, उपग्रह-आधारित संचार प्रणाली (जेमिनी प्लेटफॉर्म, वीओआईपी फोन) आदि सहित एक मजबूत मल्टी-चैनल संचार ढांचे के माध्यम से महासागर से संबंधित अलर्ट और एडवाइजरी का प्रसार करता है। इसके अतिरिक्त, तटीय समुदायों और मछुआरों द्वारा पहुंच बढ़ाने और उन तक प्रभावी उपयोग की सुविधा पहुंचाने के लिए मछली पकडने की संभावना वाले क्षेत्रों के बारे में एडवाइजरी और महासागर स्थिति पूर्वानुमान स्थानीय भाषाओं में प्रदान किए जाते हैं। इंकॉइस कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल (सीएपी) आधारित सचेत प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी अलर्ट जारी करता है, जिससे जनता को आगे प्रसारित करने हेतु राज्य और जिला अधिकारियों को महासागर संबंधी चेतावनियों और अलर्ट के निर्बाध प्रसारण में मदद मिलती है।

इंकॉइस ने अपनी महासागर सूचना सेवाओं तक पहुँचने के लिए वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के रूप में बहुभाषी समुद्र (स्मार्ट एक्सेस टू मरीन यूजर्स फॉर ओशन डेटा रिसोर्सेज एंड एडवाइजरीज) मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया है। ऐप सुनामी, तूफान की लहर, ऊंची लहरें और स्वैल सर्ज जैसे महासागर के खतरों पर वास्तविक समय पर अलर्ट प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता समय पर एहतियाती उपाय कर सकते हैं। यह मछुआरों को पोटेंशियल फिशिंग जोन की पहचान करने में मदद करने के लिए पीएफजेड एडवाइजरीज भी प्रदान करता है, जिससे मछली पकड़ने की दक्षता में सुधार होता है और आजीविका में भी मदद मिलती है। इसके अलावा, समुद्र नाविकों, मछुआरों और तटीय समुदायों को अग्रिम योजना बनाने, जोखिम में कमी लाने और समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने में सहायता करने के लिए पांच दिवसीय महासागर स्थिति पूर्वानुमान प्रदान करता है। इन सभी प्रसार चैनलों का उपयोग आन्ध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले के साथ-साथ ओडिशा के जगतसिंहपुर और पुरी जिलों में किया जा रहा है।

(घ) दूरदराज के तटीय क्षेत्रों में मछुआरों को महासागर संबंधी परामर्श को अंतिम छोर तक पहुंचाने संबंधी सेवाओं में सुधार करने के लिए, इंकॉइस तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में सतत पहुंच और क्षमता-निर्माण पहल करता है। इन गतिविधियों में जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण सत्र, सुनामी मॉक ड्रिल और राज्य एजेंसियों, स्थानीय प्राधिकरणों, शैक्षिक संस्थानों, तथा तटीय हितधारकों के सहयोग में सुनामी रेडी कार्यक्रम का कार्यान्वयन शामिल है।

इसके अतिरिक्त, इंकॉइस तटीय समुदायों और मछुआरों के लिए लक्षित आउटरीच कार्यक्रम भी संचालित करता है, जिसमें विशेष रूप से दूर और अपतटीय जल में काम करने वालों के लिए तैयारी, प्रचालन सुरक्षा, स्थितिजन्य जागरूकता और जोखिम शमन को बढ़ाने के लिए उपयोगकर्ता परिचर्चा कार्यशालाएं और प्रशिक्षण सत्र शामिल हैं। आंध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले के साथ-साथ ओडिशा के जगतसिंहपुर और पुरी जिलों में इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम, समुद्र तट स्वच्छता अभियान और मॉक अभ्यास संचालित किए गए हैं।सुनामी रेडी कार्यक्रम के तहत, ओडिशा के जगतसिंहपुर और पुरी जिलों में प्रत्येक में पांच तटीय गांवों को यूनेस्को-आईओसी द्वारा सुनामी रेडी समुदायों के रूप में मान्यता दी गई है।

*****